एफडीआई अप्रैल-जून में 48 फीसदी बढ़कर 16 अरब डॉलर

सेवा, कंप्यूटर, दूरसंचार और औषधि क्षेत्रों में बेहतर पूंजी प्रवाह से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में इजाफा

नई दिल्ली। देश में चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) 47.8 फीसदी बढ़कर 16.17 अरब डॉलर पहुंच गया। सेवा, कंप्यूटर, दूरसंचार और औषधि क्षेत्रों में बेहतर पूंजी प्रवाह से एफडीआई में बढ़ोतरी देखने को मिली है। 2023-24 में अप्रैल-जून तिमाही में देश में 10.94 अरब डॉलर का एफडीआई आया था। सरकार की ओर से मंगलवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, मई में विदेशी निवेश बढ़कर 5.85 अरब डॉलर और जून में 5.41 अरब डॉलर पहुंच गया। यह एक साल पहले की समान अवधि में क्रमशः 2.67 अरब डॉलर और 3.16 अरब डॉलर था। एफडीआई प्रवाह अप्रैल में मामूली गिरावट के साथ 4.91 अरब डॉलर रहा, जो एक साल पहले के समान महीने में 5.1 अरब डॉलर रहा था। एजेंसी

कुल एफडीआई प्रवाह में 28 फीसदी वृद्धि

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के के मुताबिक, कुल एफडीआई प्रवाह चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 28 फीसदी बढ़कर 22.49 अरब डॉलर पहुंच गया। 2023-24 की अप्रैल-जून अवधि में यह 17.56 अरब डॉलर था। कुल एफडीआई प्रवाह में इक्विटी प्रवाह, पुनर्निवेश आय और अन्य पूंजी शामिल है।

महाराष्ट्र व कर्नाटक को सर्वाधिक निवेश

आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल-जून तिमाही के दौरान महाराष्ट्र को सबसे अधिक 8.48 अरब डॉलर का पूंजी निवेश प्राप्त हुआ। इसके बाद कर्नाटक (2.28 अरब डॉलर), तेलंगाना (1.08 अरब डॉलर) और गुजरात (1.02 अरब डॉलर) का स्थान रहा। दिल्ली और राजस्थान में पिछले साल की तुलना में एफडीआई घटा है।

■ ***क्षेत्रवार देखें तो सेवा, कंप्यूटर सॉफ्टवेयर-हार्डवेयर, दूरसंचार, औषधि और रसायन क्षेत्र में एफडीआई प्रवाह बढ़ा है।***